जो भी भारतीय हिन्दुस्तान के बाहर हैं उनकी सुरक्षा हो और वहां कायदे से हिन्दुस्तान आएं और जो लोगों की परेशानियां हैं वह कम हों।

Reported deaths of about one hundred Indian in Kuwait.

SHRI JOHN F FERNANDES (Goa): Madam, I am permitted on a similar Special Mention. So, I will speak on that.

Madam, there are shocking reports tricking out from the Gulf, specially from Kuwait that hundreds of Indians settled in Kuwait are being killed by the invading soldiers and that their bodies are disposed of. I have a press report, Madam, which said that among them, there are at least 100 Goans who are the victims of this alleged tragedy. We hope that these are only the usual press reports. It is high time that the Government of India uses the International Red Cross to see that the expatriates from Kuwait and other neighbouring countries are evacuated not only by the airlines and the Air Force but also by making use of our Navy. There are also other shocking reports, Madam, that the staff of our Missions in Kuwait and the surrounding Gulf countries are not very courteous and helpful to these people who are crossing over to other countries. So, I would request the Government to issue strict instructions that our Foreign Missions behave properly with these people. Not that we believe these reports, but such reports create a fear psychosis and panic among the people here. I would, therefore, request the Press to use restraint before publishing such unconfirmed reports in future.

I fully support, Madam, the suggestion given by my colleague, hon. Mr. A. K. Antony. In view of what I have said here, specially the treatment of our Missions abroad to our people, a Parliamentary delegation should be sent to these countries.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes Mr. Baby. (*Interruption*) Let me have the sense of the House because it is not a party matter, it is not the concern of an individual, but it is the concern of the country because our countrymen, whether they are from Kerala or Goa or anywhere, they are Indians and we are concerned for them. That is why I must allow everybody.

SHRI M. A. BABY (Kerala): Madam, as you have also kindly permitted me yesterday to speak on the subject, I do not want to repeat those points. I would like to make only two submissions. Firstly, I fully agree with my colleague, Mr. John Fernandes that the Representatives of the people as well as the media should not behave in a way which would create a fear psychosis, as has been mentioned by him. Even in Kerala, a section of the Press started sensationalising the issue. Therefore, sufficient restraint should be shown. This is my first point. We are all equally concerned. We should be very much concerned over the developments, because a very difficult situation, a very complex situation, is developing over there.

Secondly, in regard to the suggestion made by Mr. Antony about sending a Parliamentary delegation, I neither jump at it and support the suggestion. Nor do I say that this would not serve any purpose. I think, the Government should consider this suggestion. All aspects should be taken into consideration to see whether this would be helpful or not. If it is going to be helpful, I am not against it. At the same time, if sufficient measures are taken by the Government, we need not send a Parliamentary delegation just for the sake of it. This is all I wanted to say.

श्री मौलाना ओबेदुल्ला खां आजमी (उत्तर प्रदेश) : मोहतरमा डिप्टी चेयरमैन साहिबा, आज पूरी दुनिया में जिस तरह के जंग के बादल छा गये हैं हम हिन्दुस्तानियों के लिये जिस मसले को देखने के दो रास्ते सामने आये हैं—एक तो इन्टरनेशनल तौर पर अरब मुमालिक में जिस तरह की गंदी सियासत का खेल खेला जा रहा है और उसके नतीजे में इंसानों की लाशों पर अपने इक्तदार की कुर्सी रखने के लिये अमरीका ने जो चौधराहत का सामान पैदा करके पूरी दुनिया में परेशानी, हैरानी और दहशत का माहोल पैदा कर दिया हैं ऐसे आलम में पूरी दुनिया के लिये हिंदुस्तान ने हमेंसा अमन का काहोल पैदा करने के लिये अपनी हकूमत की

[श्री मौलाना अबेबुल्ला खां आजमी]

जानिब से दुनिया को पैगाम और संदेश भेजे हैं और कार्यवाहियां की हैं । एक तो वहां हमारे जो लोग फंसे हैं उन्हें निकालने का मसला सिर्फ हमारे सामने नहीं हैं, बल्कि दुनिया के और मुमालिक के जो लोग हैं वे भी वहां फंसे हुये हैं, नफ़रत की यह घटनाये जो घटायी गयी हैं उसमें मुझे आपके माध्यम से अपनी हुकूमत से यह कहना है कि इखलाकी और खारजी एतबार से दुनिया के उन मुल्कों पर दबाव डाला जाये जिन मुल्कों की दहशत पसंदी या जिन मुल्कों की ताकत की बुनियाद पर पूरी दुनिया नफ़रत और जंग के भयानक माहौल में आकर नुकसान की तरफ़ जा रही है ।

दूसरी बात, मैडम जो मुझे आपके तबस्सुत से अपने मुल्क के सिलसिले में कह है वह यह हैं कि पाकिस्तान ने खलीजी ममुलिक के मसाइल से सियासी फ़ायदा उठाते हुये जिस तरह कल कश्मीर में गोला बारूद के जरिय हिंदुस्तान की सरहद और हिंदुस्तान की सम्पत्ति और लोगों को नुकसान पहुंचाया है, पाकिस्तान की यह शरारत कोई आज की नयी शरारत नहीं हैं । इससे पहले कश्मीर में, जम्मू में, पंजाब में पाकिस्तान वो इस तरह से हमें घातक नुकसान पहुंचाता रहा है और कल के इस नुकसान के बाद पूरे मुल्क के लोगों के दिलो दिमाग में यह बात पैदा हो गयी हैं कि कहीं जंग के बादल हिंदुस्तान की सरहदों और सीमा पर पर बरस कर हमारी तरक्की की राह न रोक दें । इसलिये हम अपनी हुकूमत से वाजहे तौर पर यह जवाब जानना चाहेंगे कि मुल्क की सरहद और सीमा की हिफ़ाजत के लिये और पाकिस्तान की इस बेहूदा चालबाजी को रोकने के लिये हमारी हुकूमत किस तरह के इकदामात करके मुल्क के लोगों को सकून और इत्मिनान बख्शना चाहती हैं शुक्रिया ।

†[شري مولانا عبدالله خان اعظمي

(اتر پردیس): محترمہ ڈپٹی چیر مین صاحبہ - آج پوري دنیا میں جس طرح جنگ کے بادل چھا گئے ھیں ھم ھندوستہ نیوں کیلئے اس مسئلے کو دیکھنے کیلئے دو راستے سامنے آئے ھیں - ایک تو انٹر نیشنل طور پر عرب ممالک میں جس طرح کی گندی سیاست کا کھیل کھیلا جا رھا ھے اور اسکے نتیجہ میں انسانوں کی لاشوں پر اپنے اقتدار کی کرسی رکھنے کیلئے امریکہ نے جو چودھراھٹ کا سامان پیدا کرکے پوری دنیا میں پریشانی - حیرانی اور دھشت کا ماحول پیدا کر دیا ھے ایسے عالم میں پوری دنیا کیلئے ھندوستان نے ھمیشہ اس کا ماحول پیدا کرنے کیلئے اپنی حکومت کی جانب سے دنیا کو پیغام اور سندیس بھیجے ھیں اور کاروائیاں کی ھیں ایک تو ھمارے جو لوگ پھنسے ھیں انھیں نکالنے کا مسئلہ صرف ھمارے سامنے نہیں ھے بلکہ دنیا کے اور ممالک کے جو لوگ ھیں وہ بھی وھاں پھنسے ھوئے ھیں- نفرت کی جو گھٹائیں گھٹی گئیں ھیں اسمیں آپ کے مادھیم سے اپنی حکومت سے مجھے یہ کہنا ھے کہ خلاقی اور خارجی اعتبار سے دنیا کے ان ملکوں پر دباؤ ڈالا جائے جن ملکوں کی دھشت پسندی یا جن ملکوں کی طاقت کی بنیاد پر پوری دنیا نفرت اور جنگ کے بھیانک ماحول میں آکر نقصان کی طرف جا رھی ھے -

دوسری بات جو میڈم مجھے آپ کے توسط سے اپنے ملک کے سلسلہ میں کہنی ہے وہ یہ ہے کہ پاکستان نے خلیجی ممالک کے مسائل سے سیاسی فائدہ اٹھاتے ہوئے جس طرح کل کشمیر میں گولا بارود کے ذریعے ہندوستان کی سرحد اور ہندوستان کی سیکڑوں اور لوگوں کو نقصان پہونچایا ہے - پاکستان کی یہ شرارت کوئی آج کی نئی شرارت نہیں ہے - اس سے پہلے کشمیر میں- جموں میں اور پنجاب میں وہ اس طرح سے ہمیں گہاتک نقصان پہونچاتا رہا ہے - اور کل کے اس نقصان کے بعد پورے ملک کے لوگوں کے دماغ میں یہ بات پیدا ہو گئی ہے کہ کہیں جنگ کے بادل ہندوستان کی سرحدوں اور سیما پر برس کر ہماری ترقی کی راہ نہ روک دیں - اس لئے ہم اپنی حکومت سے واضح طور پر یہ جواب جاننا چاہیں گے کہ ملک کی سرحد اور سیما کی حفاظت کیلئے اور پاکستان کی اس بیہودہ چال بازی کو روکنے کیلئے ہماری حکومت کس طرح کے اقدامات کرکے ملک کے لوگوں کو سکون اور اطمینان بخشنا چاہتی ہے - شکریہ -]

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : महोदया, भारतीय जनता पार्टी की तरफ से अपने आपको भी इसमें एसोसिएट करता हूं । हमारे केरल के, गुजरात के लोग बहुत से हजारों की तादाद में हैं, उनको निकाल कर लाया जाना चाहिये । यह हम समझते है कि एक-डेढ़ लाख लोगों को निकालना आसान नहीं है बहुत मुश्किल हैं । कुछ लोग आये हैं । लेकिन मेरा भारत सरकार को सुझाव है यदि वह स्वीकार करे कि क्या हम इराक के भीतर ही कोई ऐसे एरिये की डिमांड कर सकते हैं जहां पर सब भारतीयों को रखा जाये जब तक वे नहीं आते, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वहां की सरकार पर हो । उनका खाना-पीना, रहने का इंतजाम किया जाये, यह सरकार देखे, उनकी रक्षा का इंतजाम हो सकता है या नहीं ।

श्री भंवर लाल पंवार (राजस्थान) : महोदया, कुवैत की जो घटनायें हमारे सामने आ रही हैं और अन्तोनि साहब ने जो अपना प्रस्ताव यहां हाऊस के सामने रखा, पूरा देश इस बात से चिंतित हैं, हाउस की पूरी भावना है । नवम्बर के बाद यह सरकार नौसीखिया सरकार की तरह जो काम कर रही हैं और जो स्थिति भारत की .... **(व्यवधान)**

उपसभापति : आप कृपया जो समस्या हैं उसके ऊपर बोलें । जब भाषण करना होगा, डिस्कसन होगा, मैं आपको परमिट करूंगी । अगर कोई सुझाव दे रहे हैं तो दे दीजिये ।

श्री भंवर लाल पंवार : सुझाव दे रहा हूं कि इस घटना के कारण हमारा इधर राजस्थान कितना भारी प्रभावित हुआ है इसी के संबंध मैं बतलाना चाहता हूं ।

उपसभापति : हां वह बोलिये

श्री भंवर लाल पंवार : महोदया, परसों ही 60 करोड़ रुपए की हेरोइन पाकिस्तान के थ्रू राजस्थान के अन्दर आई थी । यह कारण हुआ । कुवैत की घटना के बाद से इस तरह की घटनाएं बढ़ रही हैं जिनकी ओर मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं ।

उपसभापति : इससे पहले नहीं आती थी हेरोइन ? कुवैत की घटना की वज से आई है क्या आप यह कहना च रहे हैं ?

श्री भंवर लाल पंवार : महोदया, 60 करोड़ की हेरोइन आई है । इससे पहले इतनी भारी तादाद में नहीं आती थी । महोदया, इन घटनाओं से पाकिस्तान को शह मिली है और सोना वगैरह भी काफी आ रहा है । कुवैत की घटना के बाद की घटनाएं मैं आपके सामने रख रहा हूं जिनकी तरफ सरकार बिल्कुल ध्यान नहीं दे रही है । जैसा कि भाई अबरार ने कहा, बेड़ा नजदीक आता जा रहा है । इसलिए मैं चाहता हूं कि सरकार इस बारे में कोई पार्लियामेंटरी कमेटी बनाए जो स्थिति का पूरा जायजा ले और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए । धन्यवाद ।

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : महोदया, कल मैंने दो सुझाव दिए थे जिन पर सरकार की तरफ से कोई सुनवाई नहीं हुई । मैंने कहा था कि हर रोज सरकार की तरफ से एक कम्युनिक निकले कि वहां से उन लोगों को लाने की क्या व्यवस्था की जा रही है । उनकी हालत है लेकिन सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया । पता नहीं सरकार सो रही है या जगी हुई है ।

महोदया, मेरा दूसरा सुझाव यह था कि बहुत ज्यादा लोगों को वहां से लाने की बात अकेले इस सरकार के बूते के बाहर है । इसलिए यूनाइटेड नेशंस की मदद ली जाय ताकि हम वहां से लोगों को ला सकें । ये दोनों सुझाव मैंने कल दिए थे । मैं चाहता हूं कि सरकार इन पर रिऐक्ट करे ।

उपसभापति : यह मामला गंभीर है, सारा हाऊस इस बात से सहमत है ... **(व्यवधान)** अभी देखिए इस पर कोई डिस्कशन नहीं हो रहा है ।

SHRI M. M. JACOB (Kerala): Madam, I want to make one submission.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jacob, yesteray I allowed you to speak on this issue. Now, all those who have already spoken ...

SHRI M. M. JACOB: I just want to make one submission.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Without speaking?

SHRI M. M. JACOB: Because of the importance of this matter, I would request that as soon as the External Affairs Minister comes back, we should have a full-fledged discussion on the entire policy.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will convey the sentiments of the House to the Government. I am sure, they must have heard it.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam, in this connection, I want to say something which is very important. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Since we are having the other discussion also, I will give preference to a woman. Yes, Mrs. Natarajan.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, this is very important. I will take just half-a-minute.

While agreeing with the suggestion made by Mr. Antony about sending a Parliamentary delegation, which should be considered, another important thing is that there is no communication at all between Kuwait and Iraq and India. The people here are very much worried about it. It is more than seventeen-eighteen days now. There are no telecommunication links at all. There are women. There are children There are husbands over there and their wives here. The people are anxious and they do not know what exactly is happening there. All communication links are cut off. I would request—using our good relations with Iraq—that we should ask them, at least, to restore the communication links so that the people here will be able to know what is happening there and they willl be able to know the position of their friends and relations.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I, myself, am trying to get Kuwait and Iraq.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, another important thing is, a British Airways flight carrying 160.

passengers, which was bound for Madras, landed there for refuelling. While it landed there, the airport was taken over. The passengers had to leave the plane, had to run out of the plane with the clothes they were wearing. This plane was bound for Madras. The passengers just left the plane leaving their belongings. Of course, there are a number of Indians there. They are facing a lot of problems. As has been mentioned, nearly a lakh and seventy thousand Indians are there. They have their families. They have their houses. Now, among the passengers of the British Airways flght, there are two minor children—five years old—and they are unaccompanied by anybody. There is nobody to look after them. Something should be done to bring these people back. We do not know what happened to these passengers The Air India crew is back. The family members here are very anxious. Among the passengers, there was a child of one American senator. The child was brought back the next day. So much fuss was made about it and the child was brought back. But there are two Indian children, five years old and unaccompanied. There are many women. We do not know the fate of these passengers. Something should be done in this regard.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Madam, I would like to say something.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr Naravanasamy please take your seat I understand. Everybody is concerned, but if I allow, I think, every Member will take one hour each to explain the problems of his relations and friends there. There is no communication, I agree, and that is the reason why whatever news is percolating is alarming. I request eveyone concerned, including the media, to keep restraint on the news which appears in the Press because it creates more panic among their relations who have been left here.

So, please, now the matter is closed.

Mr. M. C. Bhandare.

SHRI V. NARAYANASAMY: The Government is not very serious about it. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Gujral is there. Just a minute. I must inform that there is no communication line available. Just a minute, please.

आप बैठिये । हमें तो सुनिये दूसरों की बात ।

Mr. Gujral, as I heard from the radio. the television and the newspapers, from Iraq has already gone to Kuwait.

SHRI PRAMOD MAHAJAN (Maharashtra): He is the only one Minister who has been allowed to go to Kuwait.

THE DEPUTY CHAIRMAN: When he comes, I assure the House ... (*Interruptions*) *Just a minute.*

जब गुजराल साहब, फारेन मिनिस्टर लौटकर आयेंगे तब पता चलेगा सही बात का ।

I understand you are very fond of your words. But please listen to me.

आप जरा ऐसे मसले पर तो थोड़ा धीरज रखिये... (**व्यवधान**) बस बात खत्म हो गई ।

I will see that he comes and makes a statement in the House and explains the situation, gives the first-hand information.

SHRI V. NARAYANASAMY: The Government should make a statement about evacuation of the Indians there. That is a very important matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is being repeated. Please take your seat. I inclue your name as a person who is concerned extremely on this issue. All right? Satisfied? ..

SHRI V. NARAYANASAMY: A parliamentary delegation may also be considered.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I said right from the onset that there is no communication. I myself am trying to contact some people.

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): Steps should be taken to evacuate them immediately. The Government is going to give Rs. 5,000 to those who are coming here.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That was mentioned yesterday.

SHRI JAGESH DESAI: What I am going to suggest is that if they bring gold or ornaments along with them, they should be allowed to bring whatever gold or ornaments they can bring No customs duty should be there so that they can bring their belongings.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister is there. He has heard your suggestion. The Government will look into it. (*Interruptions*)

Everybody is concerned with it. Are you going to add any new dimension to what is happening? When the matter goes beyond certain points, I have to put my foot down.

SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL (Punjab): I am standing for the last ten minutes.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Does not matter. That does not give you special permission.

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : जो उठकर खड़ा हो जाय और बोल दे तो ठीक है..

उपसभापति : मैं इस बात के खिलाफ हूं । लेकिन आप भी बोल दीजिये।

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : मुझे सिर्फ इतना ही कहना है कि अम्मान और कुवैत के बीच में जो डिस्टेंस है वह शायद एक हजार किलोमीटर से अधिक है । यह अरेंजमेंट बनाया गया है कि कुवैत से लोग अम्मान पहुंचे। लेकिन वे कैसे पहुंचेंगे । यह बहुत मुश्किल है। मैं मानता हूं कि हमारे फारेन मिनिस्टर को एलाऊ किये गये हैं, लेकिन यह अरेंजमेंट सेटिस्फैक्टरी नहीं है कि एक हजार किलोमीटर ट्रेवल करके अम्मान लोग जायेंगे और वहां से वे हवाई जहाज से आयेंगे। अरेंजमेंट ऐसा करना चाहिये कि कुवैत से लोग सीधे यहां आयें जैसे पहले आते थे।

श्री प्रमोद महाजन : जोर्डन ने मना कर दिया है, इसलिये तो हम बाहर आ सकते हैं । नहीं तो नहीं आ सकते।

उपसभापति : आपने जो बात कही है, मुझे यकीन है कि सरकार इन सब बातों पर गौर करेगी । जो सुझाव आये हैं और जरूर कोई निर्णय लेगी। लेकिन जब तक गुजराल साहब आयेंगे नहीं तब तक कोई सही इन्फोर्मेशन नहीं है ।

Current oil crisis caused by disruption of oil supplies from GULF

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE (Maharashtra): Madam, I am grateful to you for giving me this opportunity.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am grateful that finally you are speaking.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: Yesterday, you told that it would be taken up at 5 o'clock.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Does not matter. You speak now.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: I have known the vagaries of the fair sex. I do not blame you for that.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know. Mrs. Margaret Alva came and requested. You know that fact, Mrs. Margaret Alva came, and Mr. Jacob came. I deferred all te business and allowed this.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE: May I agree it that yours was a correct decision?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, it is a correct decision. Now let him speak.